

प्रेषक,

नृप सिंह नपलच्याल,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

आयुक्त,
आपदा प्रबन्धन,
उत्तरांचल शासन।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास

देहरादून: दिनांक 17 मई, 2006

विषय:- वरुणावत पर्वत के उपचार कार्य हेतु वर्ष 2006-07 के समस्त देयक से भुगतान हेतु धनराशि आयुक्त आपदा प्रबन्धन के निर्वर्तन पर रखे जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त प्रकरण के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वरुणावत पर्वत ट्रीटमेंट के कार्यों के देयकों के भुगतान हेतु रु० 50,00,00,000/- (रु० पचास करोड़ मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल, महोदय निम्न शर्तों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि वरुणावत पर्वत के ट्रीटमेंट कार्यों के भुगतान हेतु व्यय की जायेगी, अन्य कार्यों में व्यय नहीं की जायेगी।
- 2- निर्वर्तन पर रखी धनराशि आयुक्त, आपदा प्रबन्धन द्वारा जिलाधिकारी उत्तरकाशी के मांग के अनुसार यथा आवश्यकता आवंटन की स्वीकृति प्रदान की जायेगी। गलत उपयोग होने पर संबंधित आहरण वितरण अधिकारी का उत्तरदायित्व होगा।
- 3- स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र कार्य पूर्ण होने के पश्चात शीघ्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 4- स्वीकृत धनराशि का व्यय उसी मद पर किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि के आहरण के पूर्व यह अवश्य सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि टी.ए.सी. द्वारा पूर्व में परीक्षण किये गये आगणन में प्रदर्शित "बिल आफ क्वान्टिटी" तथा दरों में एवं रनिंग बिल में प्रदर्शित बिल आफ क्वान्टिटी एवं दरों में किसी प्रकार का अन्तर नहीं है। इंजीनियर इन चार्ज प्रत्येक बिल के भुगतान के पूर्व यह प्रमाणित करेंगे कि कार्य की कुल लागत में किसी प्रकार की वृद्धि की सम्भावना नहीं है, यदि परीक्षित आगणन की दरों से उक्त रनिंग बिल की दरों में अन्तर के कारण अनियमित भुगतान होता है या अन्य कोई अनियमितता प्रकाश में आती है तो इसका समस्त दायित्व इंजीनियर इन चार्ज का ही माना जायेगा।
- 6- उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन भी होगी कि उक्त रनिंग बिलों से अब तक की गई समस्त कटौतियों का समायोजन निर्धारित लेखाशीर्षक में किया जाना सुनिश्चित कर लिया जायेगा।



- 7- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेश व अन्य तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा और यदि कुछ धनराशि बचती है तो उसे उक्त तिथि तक समस्त अग्रिमों का समायोजन कर समर्पित कर दिया जायेगा।
- 9- वरुणावत पर्वत के उपचार के रनिंग बिल व अन्य देयकों के भुगतान हेतु शासनादेश संख्या- 970/XVIII-(2)/2004 दिनांक 20.12.2004 द्वारा निर्धारित समस्त प्रक्रियाओं का अनुपालन किया जायेगा।
- 10- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक अनुदान संख्या- 6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-4059-लोक निर्माण कार्य पर प्रजीगत परिव्यय-60-अन्य भवन-आयोजनागत-051-निर्माण-05-वरुणावत पर्वत उत्तरकाशी का स्थिरीकरण (100% के.स.)-00-24-बृहत् निर्माण कार्य की मद के नामे डाला जायेगा।
- 11- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. संख्या- 268/वित्त अनुभाग-5/2006 दिनांक 17.5.2006 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(नृप सिंह नपलच्याल)
प्रमुख सचिव

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त

प्रलिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल (लेखा एवं हकदारी) ओबेराय बिल्डिंग, नाजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी गढ़वाल।
- 3- श्री एल.एम.पन्त, अपर सचिव, वित्त बजट अनुभाग।
- 4- जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
- 5- अपर सचिव, नियोजन विभाग।
- 6- वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरकाशी।
- 7- वित्त अनुभाग-5, उत्तरांचल शासन।
- 8- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री कार्यालय।
- 9- जी.एम. कांटेक्ट, टी.एच.डी.सी., ऋषिकेश।
- 10- धन आवंटन संबंधी पत्रावली।
- 11- गार्ड फाइल।
- 12- सहायक सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. देहरादून।

(नृप सिंह नपलच्याल)
प्रमुख सचिव

प्रेषक,

सोहन लाल,
आयुक्त,
आपदा प्रबन्धन,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास

देहरादून: दिनांक 17 मई, 2006

विषय:- वरुणावत पर्वत के उपचार कार्य हेतु समस्त देयक के टी.एच.डी.सी. द्वारा उपलब्ध कराये गये रनिंग बिलों आदि के भुगतान के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या: 364/XVIII-(2)/2006, दिनांक 17.5.2006 के क्रम में आपके पत्र संख्या-1840/तेरह-09(2005-06) दिनांक 6.5.2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वरुणावत पर्वत उपचार कार्य हेतु उपलब्ध कराये गये मांग प्रस्ताव को दृष्टिगत रखते हुये रनिंग बिलों एवं आदि के भुगतान हेतु रु0 10,00,00,000/- (रु0 दस करोड़ मात्र) की धनराशि को आहरित कर व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की एतद्वारा स्वीकृति प्रदान की जाती है।

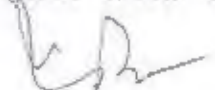
2- वरुणावत पर्वत के उपचार के रनिंग बिल व अन्य देयकों के भुगतान हेतु शासनादेश संख्या- 970/XVIII-(2)/2004 दिनांक 20.12.2004 द्वारा निर्धारित समस्त प्रक्रियाओं का अनुपालन किया जायेगा।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय उसी मद पर किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है। गलत उपयोग होने पर संबंधित आहरण वितरण अधिकारी का उत्तरदायित्व होगा।

4- उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन भी होगी कि उक्त रनिंग बिलों से अब तक की गई समस्त कटौतियों का समायोजन निर्धारित लेखाशीर्षक में किया जाना सुनिश्चित कर लिया जायेगा।

5- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेश व अन्य तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि के आहरण के पूर्व यह अवश्य सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि टी.ए.सी. द्वारा पूर्व में परीक्षण किये गये आगणन में प्रदर्शित "बिल आफ क्वान्टिटी" तथा दरों में एवं रनिंग बिल में प्रदर्शित बिल आफ क्वान्टिटी एवं दरों में किसी प्रकार का अन्तर नहीं है। इंजीनियर इन चार्ज प्रत्येक बिल के भुगतान के पूर्व यह प्रमाणित करेंगे कि कार्य की कुल लागत में किसी प्रकार की वृद्धि की सम्भावना नहीं है, यदि परीक्षित आगणन की दरों से उक्त रनिंग बिल की दरों में अन्तर के कारण अनियमित भुगतान होता है या अन्य कोई अनियमितता प्रकाश में आती है तो इसका समस्त दायित्व इंजीनियर इन चार्ज का ही माना जायेगा।

7- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा और यदि कुछ धनराशि बचती है तो उसे उक्त तिथि तक समस्त अग्रिमों का समायोजन कर समर्पित कर दिया जायेगा।

8- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्यय अनुदान संख्या- 6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-60-अन्य भवन- आयोजनागत- 051- निर्माण-05- वरुणावत पर्वत उत्तरकाशी का स्थिरीकरण (100% कै.स.)-00-24-वृहत् निर्माण कार्य की मद के नामे डाला जायेगा।

भवदीय,

(सोहन लाल)

आयुक्त

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल (लेखा एवं हकदारी) ओबेराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी गढ़वाल।
- 3- श्री एल.एम.पन्त, अपर सचिव, वित्त बजट अनुभाग।
- 4- अपर सचिव, नियोजन विभाग।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरकाशी।
- 6- वित्त अनुभाग-5, उत्तरांचल शासन।
- 7- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री कार्यालय।
- 8- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 9- जी.एम. कांटेक्ट, टी.एच.डी.सी., अधिक्षेप।
- 10- श्रीग कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्रा0लि0 देहरादून।
- 11- धन आकंटन संबंधी पत्रावली।
- 12- गार्ड फाइल।
- 13- राज्य योजना अधिकारी, एन.आई.सी. देहरादून

आज्ञा से,

(सोहन लाल)

आयुक्त